डेढ़ सौ घरों में पहली बार जले चिराग

बाड़मेर के एक गांव में सोलर लाइट के साथ ग्रामीण।

बाड़मेर @ पत्रिका . दीपावली पर जिले के डेढ़ सौ ऐसे गरीबों के झोंपे जो आज तक केवल चिमनी और लालटेन की मद्धम रोशनी से ही रोशन हुए थे वहां पर सौर ऊर्जा की लालटेन से दुनियां जगमग होगी।

जिले के घोनिया, मांगता, थूम्बली आदि गांवों के डेढ़ सौ घरों में पिछले साल दिवाली चिमनी की रोशनी में मनाई गई थी, लेकिन इस बार इन घरों में सौर ऊर्जा की जगमगाहट होगी। मुम्बई की चिराग ग्रामीण विकास फाउंडेशन ने चेतना संस्थान के साथ मिलकर जिले के इन गांवों में सौर ऊर्जा से घरेलू विद्युत कनेक्शन दिए। प्रत्येक घर में एक सौर पैनल, बैटरी, मोबाइल चार्जिंग, डिवाइस और एक पोर्टेबल लालटेन दी गई। इसके चलते इन घरों में इस बार दिवाली के दीपों की झिलमिल रोशनी के साथ घर भी सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं।

इसके चलते इन गांवों की महिलाएं जो स्वरोजगार में लगी हुई है, उनको फायदा मिला तो बच्चों को भी चिमनी की रोशनी में पढ़ने से आजादी मिली। इस संबंध में संस्थान की सह-संस्थापक और निदेशक प्रतिभा पाई ने बताया कि उनके मिशन में लाभार्थियों को लाभ व खुशी देने से ही नहीं रोशनी आने की खुशी में लोगों के चेहरों पर मुस्कान देना ही मकसद है। रोशनी का त्योहार मनाने में यह एक सार्थक शुरूआत है। उन्होंने बताया कि चिराग संस्थान के तहत देश के सात राज्यों में 366 गांवों को सौर ऊर्जा से रोशन किया गया है। इसमें 86 हजार परिवारों के घर जगमगाए हैं।